अजमेर जेएलएन में किसान की मौत, परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने उनकी जांच रिपोर्ट किसी अन्य महिला मरीज की रिपोर्ट से बदल दी, जिसके आधार पर कई घंटों तक गलत उपचार किया गया

- वहीं आरोप है कि मरीज की गंभीर स्थिति बनने के बाद समय पर ऑक्सीजन, ट्रॉली और गहन चिकित्सा इकाई की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे मरीज की जान चली गई
- परिजनों ने कोतवाली थाने में शिकायत देकर पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की

अजमेर, (निसं)। अजमेर संभाग के सबसे बड़े जवाहरलाल नेहरू (जेएलएन) चिकित्सालय में इलाज के दौरान गंभीर लापरवाही का आरोप सामने आया है। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा निवासी 66 वर्षीय किसान भंवरलाल की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने उनकी जांच रिपोर्ट किसी अन्य महिला मरीज की रिपोर्ट से बदल दी, जिसके आधार पर कई घंटों तक गलत उपचार किया गया। इसके साथ ही मरीज की गंभीर स्थिति बनने के बाद समय पर ऑक्सीजन, ट्रॉली और गहन चिकित्सा इकाई की सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे मरीज की जान चली गई। मामले को लेकर परिजनों ने कोतवाली थाने में शिकायत देकर पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मृतक के मित्र धनराज ने बताया कि भंवरलाल को पेट संबंधी बीमारी के चलते 9 जुलाई को महात्मा गांधी चिकित्सालय, भीलवाड़ा से अजमेर के जेएलएन अस्पताल रेफर किया गया था। दोपहर करीब तीन बजे उन्हें आपातकालीन इकाई में भर्ती किया गया। प्रारंभिक जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें सामान्य वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया। परिजनों के अनुसार भर्ती होने के बाद पहली रात मरीज की तबीयत में सुधार दिखाई दिया। वे सामान्य बातचीत कर रहे थे और उन्होंने दलिया तथा नारियल पानी भी लिया था। चिकित्सकों ने भी स्थिति सामान्य बताते हुए उन्हें सामान्य वार्ड में ही रखा। मृतक के पुत्र पप्पू लाल का आरोप है कि अगले दिन नया उपचार शुरू होने के बाद उनके पिता की हालत अचानक बिगड़ने लगी। शाम तक वे परिजनों को पहचान नहीं पा रहे थे, असामान्य व्यवहार करने लगे और रात में दर्द से परेशान होकर बार-बार उठने तथा भागने का प्रयास कर रहे थे। परिजनों ने कई बार ड्यूटी पर मौजूद स्टाफ को स्थिति से अवगत कराया, लेकिन उनकी शिकायतों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया।

परिजनों का कहना है कि बाद में उन्हें जानकारी मिली कि मरीज की जांच रिपोर्ट किसी अन्य महिला मरीज की रिपोर्ट से बदल गई थी और उसी आधार पर उपचार जारी रहा। उनका आरोप है कि इसी वजह से मरीज की हालत लगातार बिगड़ती चली गई। परिजनों के अनुसार 12 जुलाई की रात मरीज की स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई। उन्होंने तत्काल आईसीयू में भर्ती करने और बलगम साफ कराने की मांग की, लेकिन समय पर कोई व्यवस्था नहीं की गई। मजबूर होकर परिजनों को स्वयं ट्रॉली तलाशनी पड़ी, जिसमें लगभग 20 मिनट का समय लग गया।

इतना ही नहीं, जब मरीज को ऑक्सीजन देने का प्रयास किया गया तो लाया गया सिलेंडर खाली निकला। दूसरा सिलेंडर मंगाने और मरीज को आपातकालीन वार्ड से आईसीयू तक पहुंचाने में भी काफी देर हो गई। परिजनों का आरोप है कि यदि समय रहते आवश्यक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करा दी जाती तो संभवत: मरीज की जान बचाई जा सकती थी। परिजनों के मुताबिक उपचार में हुई देरी के कारण मरीज ने आईसीयू पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। आईसीयू में ईसीजी जांच के बाद चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मृतक के पुत्र पप्पू लाल ने कोतवाली थाने में शिकायत देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि एक सामान्य पेट की बीमारी के इलाज के लिए अस्पताल आए किसान की मौत कथित चिकित्सकीय लापरवाही के कारण हुई है। उन्होंने दोषी चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में अन्य मरीज भी ऐसी घटनाओं का शिकार हो सकते हैं। फिलहाल पुलिस ने शिकायत प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं अस्पताल प्रशासन की ओर से इस संबंध में विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार है।

गरीब क्रेन चालक के नाम पर 100 करोड़ का फर्जी कारोबार

- आधार कार्ड व पैन कार्ड का दुरूपयोग कर दिल्ली में दो जीएसटी फर्में खोल वित्तिय कारोबार का आरोप
- न्यायालय के आदेश पर एफआईआर दर्ज, संगठित गिरोह पर संदेह जताया

ब्यावर, (निसं)। एक गरीब क्रेन चालक के नाम पर कथित रूप से दिल्ली में दो फर्जी जीएसटी फर्में खोलकर लगभग 100 करोड़ रूपये का वित्तिय कारोबार कर लिये जाने का मामला सामने आया है। मामले में न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद थाना ब्यावर सदर पुलिस ने अज्ञात व्यक्तियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

परिवादी रहमान पुत्र सुल्तान, निवासी मुमताज नगर, सेदरिया ब्यावर ने बताया कि वह मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता है। आयकर संबंधी कार्य के लिए अपने चार्टर्ड अकाउंटेट के पास जाने पर उसे पता चला कि उसकी जानकारी या अनुमति के बिना उसके आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं अन्य पहचान संबंधी दस्तावेजों का कथित दुरूपयोग कर दिल्ली के प्रीतमपुरा स्थित एक ही पते पर "प्लाजमा टेक" तथा "यूनिक सेल्स" नाम से दो जीएसटी फर्में संचालित की जा रही है। सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि इन दोनों फर्मों के माध्यम से लगभग 99,97,77,388 रुपये का वित्तीय लेन देन दर्शाया गया है, जबकि परिवादी का इन फर्मों, करोबार या बैंकिंग गतिविधियों से कोई संबंध नहीं है। परिवादी का कहना है कि अपनी जिन्दगी में आज तक कभी दिल्ली गया ही नहीं। यह केवल धोखाधड़ी नहीं, राष्ट्रीय स्तर का आर्थिक अपराध हो सकता है। परिवादी के अधिवक्ता एडवोकेट नीलेश बुरड़ ने कहा कि यह मामला केवल एक व्यक्ति के साथ हुई धोखाधड़ी नहीं है, बल्कि पहचान दस्तावेजों के दुरूपयोग, सायबर अपराध, जीएसटी प्रणाली और वित्तीय नेटवर्क के संभावित दुरूपयोग का अत्यंत गंभीर मामला है। पुलिस द्वारा प्रारंभिक स्तर पर कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं किए जाने पर परिवादी ने अपने एडवोकेट नीलेश बुरड़ के मार्फत न्यायालय की शरण ली। न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के बाद आखिरकार पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। जिससे मामले कीजांच का रास्ता खुला। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

नाबालिग बेटे के सामने महिला से दुष्कर्म

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम में एक महिला के साथ यौन शोषण किए जाने का केस दर्ज हुआ है। आरोप है कि युवक ने महिला के बेटे के सामने उससे दुष्कर्म किया। उसने वीडियो और फोटो भी बना लिये। अब वीडियो और फोटो वायरल करने की धमकी देकर पैसे की डिमाण्ड करने लगा है। आरोपी इवेंट का काम करता है। फिलहाल पुलिस ने दुष्कर्म एवं पॉक्सो में केस दर्ज किया है। जांच की जा रही है।

जिला पश्चिम के एक थाने में महिला ने रिपोर्ट दी। इसका आरोप है कि वह एक इवेंट में काम करने वाले युवक के संपर्क में है। गत साल दिसम्बर से वह उसका यौन शोषण कर रहा है। उसके फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देता और पैसों की डिमाण्ड भी करता है। पीड़िता का आरोप है कि इवेंट में काम करने वाले इस युवक ने उसके नाबालिग बेटे के सामने उससे दुष्कर्म किया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जोधपुर में हिस्ट्रीशीटर के साथ मिलकर किसान परिवार पर हमला किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में बासनी बेदा की ढाणी मानपुरा में एक किसान परिवार पर हिस्ट्रशीटर सहित कुछ लोगों ने हथियारों से लैसे होकर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में वृद्ध बुरी तरह घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए एमडीएमडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हमलावर भागते से समय अपनी बाइक और हथियार मौके पर ही छोड़कर निकल गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर अब जांच आरंभ की है। आरोपियों ने भागते समय जान की धमकी भी दी।

एयरपोर्ट थाना पुलिस ने बताया कि बासनी बेदा की ढाणी मानपुरा निवासी गोपाल प्रजापत की तरफ से मामला दर्ज कराया गया है। इसमें बताया कि उसके पिता बिरमाराम पुत्र फूसाराम रविवार की शाम को अपने खेत में बाड़ कर रहे थे। तब करीब शाम 6 बजे वहां पर मानपुरा निवासी खिंवराज पुत्र किशनाराम, गणपत पुत्र घासीराम, गुलाब पुत्र बालूराम तीनों आए और पिता से गाली-गलौच कर मारपीट करनी शुरू कर दी। आरोप है कि उन लोगों ने धारदार हथियार कुल्हाड़ी, कूट और लाठी से हमला किया, जिससे उसके पिता के हाथ में फ्रैक्चर हो गया। सिर में भी गम्भीर चोट आयी। परिवार की महिलाओं ने जब बीच-बचाव करना चाहा तो उनसे भी मारपीट की गई। आरोपी हथियार और मोटरसाइकिल वहीं पर छोड़कर भाग गए। मारपीट और हमले में घायल उसके पिता को बाद में एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी भागते समय पुलिस कार्रवाई नहीं करने की धमकी देकर गए। रिपोर्ट में बताया कि आरोपियों में गणपत नाम का शख्स हिस्ट्रीशीटर है जिसके खिलाफ पहले से ही कई प्रकरण दर्ज हैं। फिलहाल एयरपोर्ट थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घायल का अस्पताल में उपचार जारी है।

हथियार बरामद

झुंझुनूं, (निसं)। शहर में हाल ही में हुई डकैती की वारदात की जांच के दौरान कोतवाली थाना पुलिस ने एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर अवैध देशी कट्टा बरामद किया है। बरामदगी के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत नया मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार शहर में गत दिनों हुई डकैती के मामले में गिरफ्तार आरिफ पुत्र सरताज कुरैशी से पूछताछ के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी मिली। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस टीम ने नेशनल हाईवे स्थित सिटी कॉलोनी के पास अंसारी कॉलोनी जाने वाले मार्ग पर एक खाली प्लॉट में छिपाकर रखा गया अवैध देशी कट्टा बरामद कर जब्त कर लिया।

हाईवे पर कार अनियंत्रित होकर पलटी, दो जनों की मौत, दो घायल

- चारों दोस्त खाना खाने के लिये निकले थे और वापस कोटा लौटते समय हादसा हो गया

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में रविवार देर रात्रि को कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर एक कार अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। हादसे में कार में सवार दो जनों की मौत हो गई एवं दो जने घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार चार मित्र कार से कोटा आते समय कोटा-उदयपुर हाईवे हैगिंग ब्रिज के समीप अचानक से भैंसों का झुंड आने से तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई, हादसा इतना भीषण था कि कार डिवाईडर पर चढ़ गई और काफी दूर तक दौड़ती चली गई। हादसे में चारों मित्र क्षतिग्रस्त कार के भीतर फंस गये। मामले में सामने आया कि चारों दोस्त खाना खाने के लिये निकले थे और वापस कोटा लौटते समय हादसा हो गया। राहगीरों ने जब कार को क्षतिग्रस्त हालत में और चार जनों को कार में देखा तो इसकी सूचना पुलिस व एम्बुलेंस को दी, सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। नान्ता थाने के सब इंस्पेक्टर घमंडी लाल ने बताया कि पुलिस को हादसे की सूचना मिली जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। सब इंस्पेक्टर ने बताया कि चारों मित्र घर से खाना खाने के लिये कार से कोटा-उदयपुर हाईवे पर निकले थे। रविवार देर रात्रि को वापस कोटा आते समय हैगिंग ब्रिज से पहले तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाईडर पर चढ़ गई और पलटी खा गई। एसआई ने बताया कि हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और चारों युवक उसमें फंस गए, चारों को उपचार के लिये एम्बुलेंस के जरिये अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद दो जनों को मृत घोषित कर दिया।

एसआई ने बताया कि हादसे में विज्ञान नगर निवासी अमन (27), दादाबाड़ी निवासी कुंतेश वर्मा (32) की मौत हो गई एवं कार में सवार बसंत बिहार निवासी जगदीश जुमरानी (36) व बोरखेड़ा निवासी दीपेश (36) घायल हो गये, जिन्हें उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसआई ने बताया कि दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

श्रीडूंगरगढ़ में बेटे ने बुजुर्ग मां की लाठी से पीटकर हत्या की

- पत्नी को जगाकर बोला मां मर गई, भाई को देखते ही घर से भागा
- पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली और बेटे को डिटेन किया

बीकानेर, (निसं)। बेटे ने बुजुर्ग मां की लाठी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। रात को अपनी पत्नी को जगाकर कहा कि मां मर चुकी है। पत्नी ने चिल्लाकर अन्य परिजनों को उठाया। सभी लोग घर के बाहर सो रही 70 साल की बुजुर्ग मां के पास दौड़कर पहुंचे। भाई को देखते ही आरोपी घर से फरार हो गया।

मामला श्रीडूंगरगढ़ थाना इलाके के बाना गांव का रविवार सुबह 4 बजे का है। पुलिस ने आरोपी बेटे रामनिवास को डिटेन कर लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली और बेटे को डिटेन किया है। श्रीडूंगरगढ़ थानाधिकारी कश्यप सिंह राघव ने बताया कि बाना गांव में गीता देवी (70) की हत्या के आरोप में बेटे रामनिवास को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। रामनिवास के भाई ओमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि देर रात 2 बजे रामनिवास घर में ही इधर-उधर टहल रहा था। उस समय उसकी पत्नी भी जाग रही थी। इसके बाद 4 बजे उसने अपनी पत्नी को उठाया और उससे कहा कि मां मर चुकी है। ये सुनकर उसकी पत्नी चिल्लाई और परिजन भी उठ गए। ओमप्रकाश ने बताया कि घर के सभी लोग जागे और बाहर सो रही मां की ओर दौड़े। रामनिवास मां के पलंग को सरका रहा था। सामने मुझे देखकर वह भाग गया। उसने नींद से उठाकर मां की हत्या की है। पुलिस ने बताया कि युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ है। हालांकि उसे हिरासत में लेकर मामले की पूछताछ की जा रही है।

लापता युवती का शव खेत के कुएं में मिला

रामगंजमंडी, (निसं)। कोटा जिले के मोड़क थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह तेलियाखेड़ी स्थित खेत के एक कुएं में अहीर समाज की लापता युवती आरती (26) पुत्री दुर्गालाल का शव मिला। सूचना मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक घनश्याम मीणा सहित मोड़क थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए मोड़क अस्पताल पहुंचाया। युवती के परिजनों ने 11 जुलाई को उसके लापता होने पर मोड़क थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद से पुलिस और परिजन उसकी तलाश में जुटे हुए थे। सोमवार सुबह खेत के कुएं में शव मिलने से क्षेत्र में शोक का माहौल है। पुलिस ने थाना मोड़क में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

महिला की पीहर में संदिग्ध हालत में मौत

परिजनों का आरोप है कि ससुराल वाले प्रताड़ित करते थे

- जांच में पता चला है कि महिला की आटा-साटा में शादी हुई थी
- महिला एक साल से अपने पीहर में ही थी, कुछ दिन पहले कोर्ट का नोटिस मिला था

जोधपुर, (कासं)। शहर के झालामंड स्थित बापूनगर में एक महिला की पीहर में संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिवार ने उसके ससुराल वालों के खिलाफ प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है। नौ जुलाई को मानसिक तनाव में आने के बाद महिला की तबीयत बिगड़ना बताया गया है। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया गया। महिला की आटा-साटा में शादी हो रखी थी।

कुड़ी भगतासनी थानाधिकारी सोमकरण ने बताया कि झालामंड स्थित बापूनगर में अपने पीहर में रहने वाली 22 साल की ज्योति वैष्णव को 9 जुलाई को उसके घर में तबीयत बिगड़ने पर परिवार ने एमडीएम अस्पताल में भर्ती कराया था। उसकी बाद में मौत हो गई। अब तक की जांच में पता लगा कि ज्योति की शादी खेमें का कुआं क्षेत्र में आटा-साटा से हो रखी थी। वह पिछले एक साल से अपने पीहर में ही थी। कुछ दिन पहले कोर्ट का नोटिस मिला था। परिवार का कहना है कि नोटिस मिलने के बाद वह डिप्रेशन में आ गई, जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई थी। साथ ही परिवार का आरोप है कि उसके ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करते थे। उसकी मां सीतादेवी ने मर्ग में रिपोर्ट दी है। जांच प्रशासनिक अधिकारी की तरफ से की जा रही है। ज्योति के एक बच्ची है। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा परिजन को सुपुर्द किया गया है। अग्रिम अनुसंधान जारी है।

मसूदा में बीसलपुर पेयजल पाइप लाइन कार्य रोकने का आरोप

ग्रामीणों ने विधायक को ज्ञापन सौंप निष्पक्ष जांच व सर्वे अनुसार कार्य पूरा कराने की मांग की

- मसूदा के ग्राम नारायणपुरा, बेगलियावास के ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पाइपलाइन बिछाने का कार्य बिना किसी स्पष्ट कारण के बीच में ही रोक दिया है

मसूदा, (निसं)। जल जीवन मिशन के तहत संचालित बीसलपुर पेयजल योजना में कथित भेदभाव का मामला सामने आया है। मसूदा नगर पालिका क्षेत्र के ग्राम नारायणपुरा, ग्राम पंचायत बेगलियावास के ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पेयजल पाइपलाइन बिछाने का कार्य बिना किसी स्पष्ट कारण के बीच में ही रोक दिया गया, जबकि विभागीय सर्वे के अनुसार पाइपलाइन उनके मकानों तक पहुंचाई जानी थी। इस संबंध में ग्रामीणों ने विधायक को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच कराने तथा सर्वे के अनुरूप पाइपलाइन बिछाने की मांग की है।

ग्रामीण मानसिंह पुत्र कान सिंह रावत तथा भंवर सिंह चौधरी ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत बीसलपुर पेयजल योजना का कार्य गांव में चल रहा है। विभागीय सर्वे के आधार पर पाइपलाइन उनके मकानों तक प्रस्तावित थी, लेकिन कार्य करने वाली टीम ने गोपाल सिंह पुत्र जेत सिंह रावत के मकान तक पाइप लाइन बिछाने के बाद आगे का कार्य रोक दिया। इससे कई परिवार योजना के लाभ से वंचित रह गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब उन्होंने मौके पर कार्य कर रहे पर्यवेक्षक से पाइपलाइन आगे नहीं बढ़ाने का कारण पूछा तो उन्हें यह कहकर टाल दिया गया कि आगे कार्य करने के कोई निर्देश नहीं हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि यह कार्य विभागीय सर्वे और स्वीकृत योजना के विपरीत किया जा रहा है, जिससे उनके साथ भेदभाव हो रहा है।

ग्रामीणों ने विधायक से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और विभागीय सर्वे के अनुसार जिन घरों तक पाइपलाइन प्रस्तावित है, वहां तक शीघ्र पाइपलाइन बिछाकर पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उनका कहना है कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है, ऐसे में किसी भी परिवार को योजना के लाभ से वंचित नहीं रखा जाना चाहिए।

ग्रामीणों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि जनप्रतिनिधि और संबंधित विभाग इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान सुनिश्चित करेंगे, ताकि सभी पात्र परिवारों को बीसलपुर पेयजल योजना का समान रूप से लाभ मिल सके।

विराटनगर के जैन नसिया में छह अष्टधातु की मूर्तियां और चांदी के छत्र चोरी

- घटना के बाद जैन समाज में रोष, पुलिस प्रशासन से जल्द खुलासा करने की मांग की
- सूचना पर विराटनगर पुलिस, एमओबी और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए

पावटा, (निसं)। विराटनगर कस्बे के किला-कोटवाली रोड स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन नसिया में चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर मंदिर का ताला तोड़कर 6 अष्टधातु की मूर्तियां, 10 चांदी के छत्र और अन्य धार्मिक सामान चोरी कर फरार हो गए। घटना के बाद जैन समाज में भारी रोष व्याप्त है और समाज ने पुलिस प्रशासन से जल्द खुलासा करने की मांग की है।

विराटनगर का पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, जहां चोरी हुई।

जैन नसिया समिति के अध्यक्ष संतोष जैन ने बताया कि रविवार, 12 जुलाई की रात करीब 11 बजे मंदिर का मुख्य गेट बंद कर सभी लोग अपने घर चले गए थे। सोमवार सुबह करीब 4 बजे मंदिर खोला गया तो मुख्य गेट का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो मंदिर में रखे धार्मिक सामान और दानपात्र के आसपास सामान बिखरा पड़ा था तथा कई कीमती धार्मिक वस्तुएं गायब थीं।

सूचना मिलते ही जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। चोरी की सूचना पर विराटनगर पुलिस, एमओबी और एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही संदिग्धों की तलाश में जुट गई है। जैन समाज ने इस घटना को धार्मिक आस्था पर चोट बताते हुए पुलिस प्रशासन से शीघ्र जांच, आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी हुए धार्मिक सामान की बरामदगी की मांग की है। वहीं विराटनगर थाना प्रभारी बाबूलाल का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही चोरी का खुलासा किया जाएगा।

ग्रामीण सेवा शिविर में घुमंतु परिवार को 50 साल बाद पुश्तैनी मकान का पट्टा मिला

- पट्टा न होने की वजह से राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था
- लंबे समय तक इंतजार करने के बाद इन परिवार ने पट्टा मिलने की उम्मीद ही छोड़ दी थी

बूंदी, (निसं)। इंसान की सबसे बड़ी जरूरत उसका अपना आशियाना होता है, लेकिन जब उस आशियाने का मालिकाना हक (पट्टा) पाने के लिए आधी सदी यानी 50 साल गुजर जाए तो उम्मीदें दम तोड़ने लगती हैं। हिंडोली उपखंड क्षेत्र के हरणा गांव के घुमंतु/अर्द्ध घुमंतु परिवार के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। लेकिन, राज्य सरकार द्वारा रोंशदा ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर ने इनकी दशकों पुरानी मुराद पूरी कर दी। जब परिवार को उनके पुश्तैनी मकान का पट्टा सौंपा गया, तो उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं रहा।

हरणा निवासी पप्पू नाथ, सुरेश नाथ, अमरनाथ और दिनेश नाथ ने बताया कि वे पिछले 50 वर्षों से अपने पुश्तैनी मकान के पट्टे का इंतजार कर रहे थे। पट्टा न होने की वजह से वे सरकारी कागजों में अपने ही घर के मालिक नहीं थे और इसी कारण उन्हें राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा था। लंबे समय तक इंतजार करने के बाद इन परिवार ने पट्टा मिलने की उम्मीद ही छोड़ दी थी।

इसी दौरान रोंशदा ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन हुआ। उन्होंने एक आखिरी उम्मीद के साथ ग्रामीण सेवा शिविर में पहुंचकर पट्टे के लिए आवेदन किया। इस बार उन्हें मायूसी हाथ नहीं लगी। शिविर में मौजूद पंचायत प्रशासन ने मामले पर तुरंत संज्ञान लिया और त्वरित कार्रवाई करते हुए हाथों-हाथ पट्टा तैयार कर इन्हें वितरित कर दिया। दशकों पुराना सपना जब हकीकत बनकर उनके हाथों में आया, तो लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे। पट्टा पाकर पप्पूनाथ व अन्य सदस्यों ने खुशी जताते हुए कहा कि जिस काम के लिए उन्होंने आस छोड़ दी थी, वह शिविर में आसानी से पूरा हो गया। राज्य सरकार के इस शिविर ने उनकी उम्मीदों को फिर से जिंदा कर दिया है। इस राहत के लिए सभी लाभार्थियों ने राज्य सरकार का आभार जताया।

ग्रामीण सेवा शिविर पट्टा तैयार कर परिवार को वितरित किया।